भारत सरकार

भारत मौसम विज्ञान विभाग,

कृषिसलाहकार एकक,प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र नई दिल्ली -03

साल-25, क्रमांक:- 49/2018-19/शुक्र. समय: अपराह्न 2.30 बजे दिनांक: 22-06-2018

बीते सप्ताह का मौसम (16 से 22 जून 2018)

सप्ताह के दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल रहे। दिन का अधिकतम तापमान 36.4 से 41.6 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 37.3 डिग्री सेल्सियस) तथा न्यूनतम तापमान 24.8 से 27.4 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 27.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। इस दौरान पूर्वाह्न 7.21 को सापेक्षिक आर्द्रता 57 से 74 तथा दोपहर बाद अपराह्न 2.21 को 27 से 56 प्रतिशत दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान दिन में औसत 5.1 घंटे प्रति दिन (साप्ताहिक सामान्य 6.8 घंटे) धूप खिली रही। हवा की औसत गति 6.6 कि.मी .प्रति घंटा (साप्ताहिक सामान्य 7.2 कि.मी .प्रति घंटा) तथा वाष्पीकरण की औसत दर 7.2 मि.मी. (साप्ताहिक सामान्य 9.2 मि.मी) प्रति दिन रही। सप्ताह के दौरान पूर्वाह्न तथा अपराह्न को हवा अधिकतर पश्चिमी दिशाओं से रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, लोदी रोड़, नई दिल्ली से प्राप्त मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व/दिनांक	23-06-18	24-06-18	25-06-18	26-06-18	27-06-18
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	0.0	0.0	2.0
अधिकतम तापमान {°सेल्सियस}	43	42	42	41	40
न्यूनतम तापमान {° सेल्सियस}	29	30	31	30	30
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	3	4	4	6
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) अधिकतम	70	70	70	75	80
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) न्यूनतम	30	35	35	40	45
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	15	15	20	20	15
हवा की दिशा	उत्तर-उत्तर-पश्चिम	उत्तर-उत्तर-पश्चिम	पश्चिम-उत्तर-पश्चिम	पश्चिम-उत्तर-पश्चिम	उत्तर-उत्तर-पश्चिम
विशेष मौसम	दिल्ली एनसीआर में 23,24,25 जून 2018 को दिन के समय तीव्र सतही हवायें चलने की सम्भावना है तथा 26 जून 2018 को गर्जन वाले बादल विकसित होने की सम्भावना है तथा 27 जून 2018 हल्की वर्षा /गर्जन के साथ बौछार पड़ने की सम्भावना है।				

साप्ताहिक मौसम पर आधारित कृषि सम्बंधी सलाह 27 जून, 2018 तक के लिए

कृषि परामर्श सेवाओं, कृषि भौतिकी संभाग के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को निम्न कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है।

1. जिन किसानों की धान की पौधशाला लग गयी हो वे बकानी रोग के लिए पौधशाला की निगरानी करते रहें तथा लक्षण पाये जाने पर कार्बेन्डिजम 2.0 ग्राम/लीटर पानी घोल कर छिडकाव करें।
2. धान की पौधशाला मे यदि पौधों का रंग पीला पड रहा है तो इसमे लौह तत्व की कमी हो सकती है। पौधों की ऊपरी पत्तियॉ यदि पीली और नीचे की हरी हो तो यह लौह तत्व की कमी दर्शाता है। इसके लिए 0.5 % फेरस सल्फेट +0.25 % चूने के घोल का छिडकाव करें।
3. इस मौसम में किसान मक्का फसल की बुवाई के लिए खेतो को तैयार करें। संकर किस्में ए एच-421 व ए एच-58 तथा उन्नत किस्में पूसा कम्पोजिट-3,पूसा कम्पोजिट-4 बीज किसी प्रमाणित स्रोत से ही खरीदें।बीज की मात्रा

20 किलोग्राम/हैक्टर रखें। पंक्ति-पंक्ति की दूरी 60-75 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 18-25 से.मी. रखें। मक्का में खरपतवार नियंत्रण के लिए एट्राजिन 1 से 1.5 किलोग्राम/हैक्टर 800 लीटर पानी में घोल कर छिडकाव करें।

4. यह समय चारे के लिए ज्वार की बुवाई के लिए उप्युक्त हैं अतः किसान पूसा चरी-9, पूसा चरी-6 या अन्य सकंर किस्मों की बुवाई करें बीज की मात्रा 40 किलोग्राम/हैक्टर रखें तथा लोबिया की बुवाई का भी यह उप्युक्त समय है।
5. यह समय मिर्च, बैंगन व फूलगोभी (सितम्बर में तैयार होने वाली किस्में) की पौधशाला बनाने के लिए उपयुक्त है। किसान भाई पौधशाला में कीट अवरोधी नाईलोन की जाली का प्रयोग करें, ताकि रोग फैलाने वाले कीटों से फसल को बचा सकें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए छायादार नेट द्वारा 6.5 फीट की ऊँचाई पर ढक सकते है। बीजों को केप्टान (2.0 ग्राम/ कि.ग्रा बीज) के उपचार के बाद पौधशाला में बुवाई करें।
6. जिन किसानों की मिर्च, बैंगन व फूलगोभी की पौध तैयार है, वे मौसम को मध्यनजर रखते हुए रोपाई की तैयारी करें।
7. कद्दूवर्गीय सब्जियों की वर्षाकालीन फसल की बुवाई करें लौकी की उन्नत किस्में पूसा नवीन,पूसा समृद्वि करेला की पूसा विशेष, पूसा दो मौसमी, सीताफल की पूसा विश्वास, पूसा विकास तुरई की पूसा चिकनी धारीदार, तुरई की पूसा नसदार तथा खीरा की पूसा उदय, पूसा बरखा आदि किस्मों की बुवाई करें।
8. किसान कद्दूवर्गीय सब्जियों में फल मक्खी की निगरानी करते रहें इसके लिए मिथाइल यूजीनोल ट्रेप का प्रयोग कर सकते हैं। फल मक्खी के लक्षण पाये जाने पर रोगोर @ 2 मि.ली. + 10 ग्राम चीनी/गुड़ प्रति ली .पानी में मिलाकर 50 लीटर प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें।
9. मिर्च के खेत में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। उसके उपरांत इमिडाक्लोप्रिड @ 0.3 मि.ली./लीटर की दर से छिड़काव करें।
10. फलों के नऐ बाग लगाने वाले गड्डों की खुदाई कर उनको खुला छोड दें ताकि हानिकरक कीटो-रोगाणु तथा खरपतवार के बीज आदि नष्ट हो जावें।

कृषि सलाहकार एककदिल्ली तथा कृषिविभाग दिल्ली **वैज्ञानिक 'डी'**

द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया ।

ई -मेल : 1. उपमहानिदेशक (कृषि)पुणे ।

2. कृषिएवं गृह एकक आकाशवाणी कमरा न॰ 610 फैक्स न॰ 23710106 ।

3. कृषिदर्शन मण्डी हाऊस कमरा न॰ 801 फैक्स न॰ 23097571 ।